प्रेम सत्य की साधना

ISSN: 2583-8849
साहित्य रत्न ई-पत्रिका अगस्त2023 वर्ष1 अंक4

माँ है तो परिवार में, खुशियाँ और मिठास ।
बिन माँ के परिजन कभी, बैठ सके ना पास ।।-1

माँ की ममता प्यार का, है विशाल संसार ।
लिख ना पाया आज तक, कोई रचनाकार ।।-2

जन जीवन औ जगत का, है ये अटल विधान ।
करनी का फल एक दिन, पाता हर इंसान ।।-3

मद माया का जगत में, बहुत बुरा है जाल ।
जीते जी इससे बरी, हुआ न कोई लाल ।।-4

प्रेम सत्य की साधना, प्रेम जगत का सार ।
बिना प्रेम सम्भव नहीं, जन जग का उद्धार ।।-5

दीन जनों में बाँटिये, घूम घूम कर प्यार ।
प्यार बाँटने से मिले, मित्रो खुशी अपार ।।-6

गफिला सच्चा संत तो, होता नीर समान ।
चलता फिरता जब तलक, तब तक पावन जान ।।-7

माया मद का भोग कर, जन मन हुआ गुलाम ।
जब काया जर्जर हुई, तब जपते प्रभु नाम ।।-8

मूँछों से बढ़ती नहीं , शान और पहचान ।
बिल्ला बिल्ली मूसटा, चलते मूँछें तान ।।-9

अक्सर समझें जन सभी, पैसे को भगवान ।
मगर वक्त जैसा नहीं, कोई भी बलवान ।।-10

दुख से बचे न राम जी, दुख से बचें न आप ।
कभी न करना भूल कर, मित्रो कोई पाप ।।-11

सत्य प्रेम की आजकल, चलती नहीं दुकान ।
झूँठे बेईमान का , बिकता हर सामान ।।-12

गाफिल स्वामी
जन्म - २२ जुलाई १९५३
शिक्षा - एम. ए. (हिन्दी)
प्रकाशन - दो काव्य कृतियाँ प्रकाशित
१ - जय हो भ्रष्टाचार की
२ - उठा कलम सच्चाई लिख
अनेक काव्य संकलनों व पत्र पत्रिकाओं में रचनायें प्रकाशित ।
पता - गाँव - लालपुर, पोस्ट - इगलास,
जिला - अलीगढ़ - २०२१२४
मोबा. – ९७५८४९४४६५